Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ वैभव लक्ष्मी पूजा सामग्री ॥

॥ जय माँ वैभव लक्ष्मी ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ चौकी और कलश की सामग्री ॥

पूजा का स्थान

माता लक्ष्मी का चित्र या प्रतिमा, श्रीयंत्र का चित्र यदि उपलब्ध हो, एक साफ चौकी, लाल या स्वच्छ कपड़ा, आसन और छोटी थाली रखें। घर में उपलब्ध साधारण साफ सामग्री से भी पूजा हो सकती है।

कलश की व्यवस्था

जल से भरा कलश या स्वच्छ पात्र, उसके नीचे रखने के लिए थोड़े अक्षत या चावल, और पास में एक छोटी कटोरी रखें। कटोरी में सोने या चाँदी का छोटा आभूषण/सिक्का रखने की रीति है। ऐसा न हो तो कोई साफ मुद्रा प्रतीक रूप में रखें।

अर्पण की वस्तुएँ

हल्दी, कुमकुम या रोली, अक्षत, चंदन यदि हो, लाल या गुलाबी फूल, धूप, घी या तेल का दीपक तथा पूजा के लिए थोड़ा स्वच्छ जल रखें। सब वस्तुएँ जुटाने का दबाव न लें; पुष्प और दीप से सरल पूजा भी की जाती है।

दीपक बच्चों तथा ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें। पूजा के बाद कलश का स्वच्छ जल पौधे में दिया जा सकता है और आभूषण या मुद्रा सुरक्षित रखी जा सकती है।

॥ कथा, भोग और उद्यापन सामग्री ॥

कथा और आरती

वैभव लक्ष्मी व्रत कथा की पुस्तक या पठनीय प्रति, माता की आरती और चाहें तो संक्षिप्त लक्ष्मी स्तवन रखें। कथा परिवार के साथ पढ़ें या सुनें; श्रीयंत्र के चित्र तथा माता का स्मरण करें।

नैवेद्य और प्रसाद

घर की रीति के अनुसार खीर, हलवा, मिठाई या गुड़ का सरल प्रसाद रखें। साथ में फल तथा पीने के लिए पानी भी रखें। भोजन बनाते समय स्वच्छता, भोजन की मात्रा और किसी की एलर्जी का ध्यान रखें।

अंतिम शुक्रवार के लिए

उद्यापन में व्रत कथा की पुस्तिकाएँ, कुमकुम, प्रसाद और अपनी सामर्थ्य के अनुसार छोटे उपहार या भोजन का प्रबंध रखें। कई घरों में सात स्त्रियों को पुस्तकें दी जाती हैं; कुछ परिवारों में संख्या और उपहार की रीति अलग है।

महँगे गहने, बहुत प्रकार के फल या बड़ी संख्या में पुस्तिकाएँ खरीदना आवश्यक नहीं। श्रद्धा और उपलब्ध साधनों के अनुसार पहले से सूची बनाकर तैयारी करें।

॥ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः ॥